बीमार की खबर लेना के हुकूक (इयादत)

संपादक- मौलाना जलील अहसन नदवी रह.

नोट: यहां जो हुकूक बयान हुए है उनमे मुस्लिम और गैर मुस्लिम बराबर है.

१} मुस्लिम की रिवायत का खुलासा | रावी अबू हुरैरा रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया - की अल्लाह कयामत के दिन कहेगा ए आदम के बेटे में बीमार हुवा था तो तूने मेरी इयादत नहीं की, तो वो कहेगा की ए मेरे रब में तेरी इयादत कैसे करता तू तो पूरे संसार का रब है? तो अल्लाह फरमाएंगा क्या तुझे मालूम नहीं की मेरा फलां बन्दा बीमार पडा था तो तूने उस्की इयादत नहीं की, क्या तुझे खबर ना थी की अगर तू उस्की इयादत को जाता तो उस्के पास मुझे पाता? इयादत से मुराद सिर्फ किसी मरीज़ के यहां चला जाना और उसका हाल चाल पूछ लेना ही नहीं है बल्की बीमार की

हकीकी और असल इयादत ये है की अगर वो गरीब हो तो उस्की दवा वगैरा का इन्तेजाम किया जाए या गरीब तो नहीं है मगर कोई वकत पर दवा लाने और पिलाने वाला नहीं है तो उस्की फिकर की जाए.

२} बुखारी की रिवायत का खुलासा | रावी अबू मूसा रदी.

रसूलुल्लाहﷺ ने फरमाया - की बीमार की इयादत करो और भूके को खाना खिलाओ और कैदी की रिहाई का इन्तेजाम करो.

३} बुखारी की रिवायत का खुलासा | रावी अनस रदी.

एक यहूदी लडका रसूलुल्लाहﷺ की खिदमत किया करता था, वो बीमार पडा तो रसूलुल्लाहﷺ उस्की इयादत को तशरीफ ले गए उस्के सरहाने बैठे और उस्से कहा तू इस्लाम ले-आ, उसने अपने बाप की तरफ देखा जो वही उस्के पास था, उसने कहा अबुल कासिम हज़रत मुहम्मदﷺ का कहना कर, चुनाचे वो इस्लाम लाया, उस्के बाद उस्के यहां से ये

कहते हुवे निकले, शुक्र है अल्लाह का जिसने जहन्नम से उसे बचा लिया.
रसूलुल्लाहﷺ की पाकीज़ा सीरत को दोस्त और दुश्मन सभी जानते थे और सारे यहूदी आप के दुश्मन ना थे, इस यहूदी से का जाती संबंध था इसलिए उसने अपने लडके को आपﷺ की खिदमत के लिए भेझ दिया था.

४} मिश्कात की रिवायत का खुलासा | रावी अब्दुल्लाह बिन अब्बास रदी.

मरीज़ के पास इयादत करने के सिलसिले में शोर ना करना और कम बैठना सुन्नत है.
ये हिदायत आम बीमारों के लिए है लेकिन अगर किसी का बेतकल्लुफ दोस्त बीमार पडे और उसे, अन्दाज़ा हो की वो उस्के बैठने को पसन्द करता है तब वो बैठा रह सकता है.